

ईश्वरीय  
खजाना  
टीम  
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की  
भिन्न भिन्न युक्तियाँ  
बाबा की रोज  
जैसे मीठी थपकी है  
अन्तर्मन में  
जो समा ले इसे  
जीवन में उसकी सफलता  
शत प्रतिशत पक्की है...

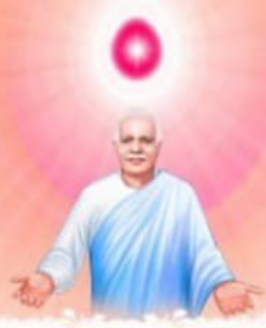


मैं शिव शमा पर फिदा हो  
पावन बनने वाला परवाना हूँ..



POWER OF HAPPINESS

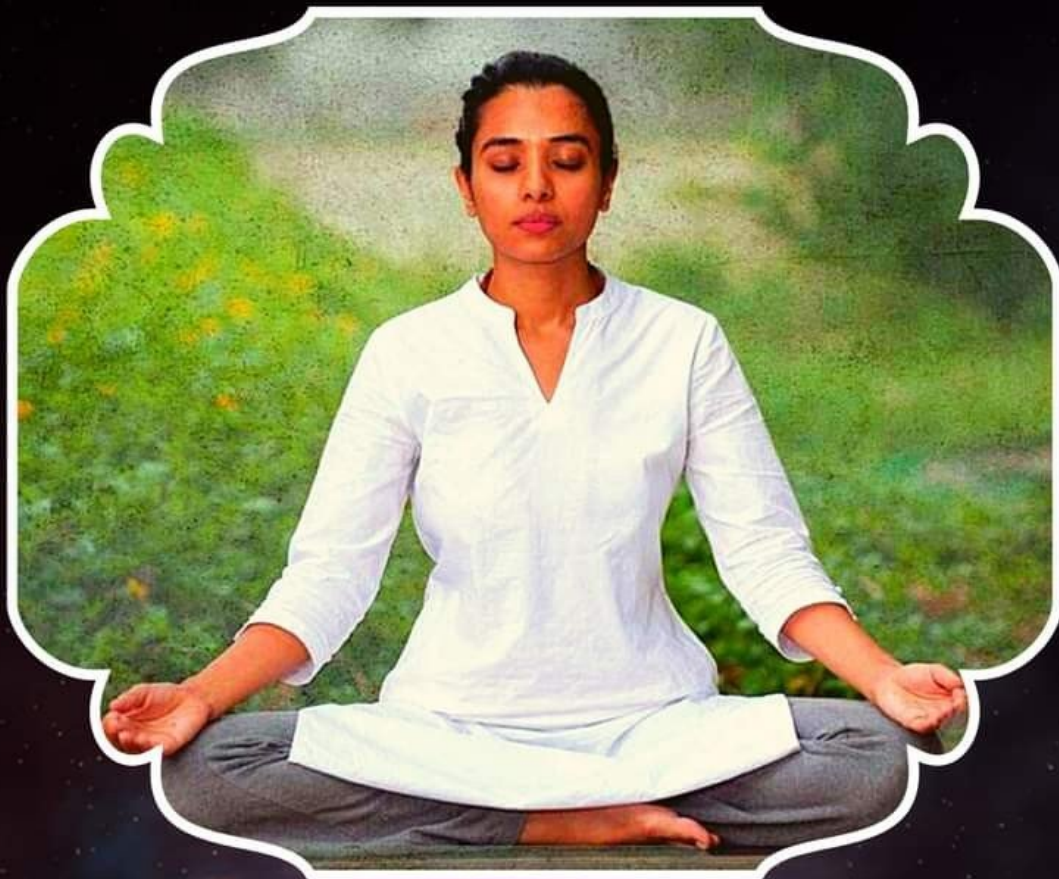




## अव्यक्त शिक्षाएँ

संगमयुग है ही बाप बच्चों के मिलन का युग। निरन्तर मिलन में रहते हो ना। है ही मेला। मेला अर्थात् मिलाप। बाप के साथ खाते-पीते, चलते, खेलते, पलते रहते हैं। इतना फखुर रहता है? वह पूछते परमात्मा बाप से स्नेह कैसे होता है, मन कैसे लगता! और आपके दिल से यही आवाज़ निकलता कि मन कैसे लगाना तो छोड़ो लेकिन मन ही उनका हो गया। आपका मन है क्या जो मन कैसे लगावें। मन बाप को दे दिया तो किसका हुआ! आपका या बाप का! जब मन ही बाप का है तो फिर लगावें कैसे यह प्रश्न उठ नहीं सकता। प्यार कैसे करते यह भी क्वेश्चन नहीं। क्योंकि सदा लवलीन ही रहते हैं। प्यार स्वरूप बन गये हैं। मास्टर प्यार के सागर बन गये, तो प्यार करना नहीं पड़ता, प्यार का स्वरूप हो गये हैं।

जितना-जितना ज्ञान सूर्य की किरणों वा प्रकाश बढ़ता है उतना ही ज्यादा प्यार की लहरें उछलती हैं। सब अनुभवी हो ना! कैसे ज्ञान की लहरें, प्रेम की लहरें, सुख की लहरें, शान्ति और शक्ति की लहरें उछलती हैं और उन ही लहरों में समा जाते हो। यही अलौकिक वर्सा प्राप्त कर लिया है ना! यही ब्राह्मण जीवन है।



वातावरण ऐसा बनाना चाहिए जो न चाहते भी कोई खींच आये। जितना खुद अव्यक्त वायुमंडल बनाने में बिजी रहेंगे। उतना स्वतः सभी होता रहेगा। जैसे रस्ते जाते कोई खुशबू भी न चाहते हुए खिचेंगी।

Avyakt Murli - 24-01-1970



BRAHMA KUMARIS  
Education Wing, Mount Abu



/AvyaktMurliEssence



# परमात्म इशारे

शुभ भावना, निःस्वार्थ प्रेम की भावना,  
पुण्य का खाता बढ़ाती है।

घृणा की भावना, ईर्ष्या की भावना,  
comparison, competition की भावना,  
पाप का खाता बढ़ाती है।

CH. 1221  


CH. 1087  


CH. 1065  


CH. 678  


CH. 496  


CH.235  


धरनी पर बैठना अर्थात्...

बापदादा- 21.11.1998

धरनी पर बैठना - यह है तपस्या की निशानी।  
तन्दरुस्ती की निशानी है। हेल्थ भी है, तपस्या द्वारा  
खजानोंकी वेल्थ भी है तो जहाँ हेल्थ है, वेल्थ है वहाँ  
हैपी तो है ही। तो अच्छा है - हेल्दी हो, वेल्दी हो।



ओम्  
शान्ति





नम्रता मनुष्य का कवच है...  
विनम्र बनो, तो बड़े बन जाओगे...।  
बीज को भी मिट्टी में जड़ना होता है,  
वृक्ष बनने के लिए...।



You are a kind-hearted soul  
who shows divine love, care,  
and compassion to souls and  
lets them know that Godfather  
cares about them.



BRAHMA KUMARIS  
SpARC Wing







## **Brahma Kumaris Websites**

Main BK website [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org) OR  
[www.brahmakumari.org](http://www.brahmakumari.org) (by SBS team)

Int'l website: [www.brahmakumaris.org](http://www.brahmakumaris.org)

India website: [www.brahmakumaris.com](http://www.brahmakumaris.com)

BK Sustenance website:  
[www.bksustenance.net](http://www.bksustenance.net)

All Data hosted on [www.bkdrluhar.com](http://www.bkdrluhar.com)

Murli Websites: [babamurli.net](http://babamurli.net)  
and [madhubanmurli.org](http://madhubanmurli.org)

[www.omshantimusic.net](http://www.omshantimusic.net)

[www.bkgoogle.org](http://www.bkgoogle.org)

[www.bksewa.org](http://www.bksewa.org)

[www.bkinfo.in](http://www.bkinfo.in)

[www.bk.ooo](http://www.bk.ooo)

[www.brahmakumari.org/centres](http://www.brahmakumari.org/centres)

NEW

[www.IshvariyaKhajana.BKhq.org](http://www.IshvariyaKhajana.BKhq.org)